ECONOMICS

B A PART – I (Honours)

PAPER I

PRINCIPLES of ECONOMICS

- Website

eGyankosh.ac.in पर जाएं

- इस page के

IGNOU Self Learning Material (SLM) बटन को दबाएं (click करें)।

- नए पेज में स्क्रॉल कर नीचे

Sub-communities within this community

Heading के रूप में लिखा मिलेगा। इसमें नीचे 02 नंबर पर

02. School of Social Sciences (SOCC)

लिखा मिलेगा।इस बटन को दबाएं (click करें)। पुनः

Sub-communities within this community

Heading के रूप में लिखा मिलेगा। इसमें नीचे Discipline **को छोड़कर** **Levels** को select कीजिए / click कीजिए।

Sub-communities within this community

लिखा आयेगा, इसमें

Bachelor's Degree Programmes

को click करके खोलें ।

Sub-communities within this Community लिखाआयेगा

इसमें नीचे Archieved **को छोड़कर** **Current** को select कीजिए / click कीजिए।

पुनः

Sub-communities within this Community लिखाआयेगा जिसके अंतर्गत

Bachelor of Arts (Honours) Economics (BAECH)

लिखाआयेगा जिसके अंतर्गत

Sub-communities within this Community.

में नीचे

बी ई सी सी – प्रारंभिक व्यष्टी अर्थशास्त्र

लिखा मिलेगा

इसे click करके खोलें

नए पृष्ठ पर

बी. ई .सी .सी -101 - प्रारंभिक व्यष्टी अर्थशास्त्र

लिखा मिलेगा और उसके नीचे

Collections within this Community

में प्रारंभिक व्यष्टी अर्थशास्त्र के अध्याय दिए गए हैं जिसमें पहला अध्याय है

खण्ड-1 परिचय

इसे click करके खोलें

नए पृष्ठ पर पुनः **खण्ड-1 परिचय** को click करें, खोलें

और पुनः pdf file के view/ open, option पर जाकर इसे click करें ।

यह पूरा chapter पठन के लिए खुल जायेगा।

किसी भी विषय की कुछ मूलभूत अवधारणा होती है जो उस विषय को परिभाषित करता है और विषय को समझने के लिए आवश्यक है गया है।"**स्थैतिकी एवं गत्यात्मकता**" अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणा है।

इस इकाई के पृष्ठ संख्या 20 में अर्थशास्त्र विषय के महत्वपूर्ण टूल (ज्ञान का साधन) "**स्थैतिकी एवं गत्यात्मकता** " से हमारा प्रारंभिक परिचय होता है।

स्थैतिक आर्थिक विश्लेषण में समय तत्व का अभाव होता है। सभी आर्थिक चर (समंकों) को किसी एक समय पर उल्लेखित किया जाता है। ***स्थैतिक अर्थव्यवस्था को कालनिरपेक्ष अर्थव्यवस्था भी कहा जाता है***।

ऐसी अर्थव्यवस्था में हम किसी चर के मान में समय, काल या काल खण्ड की चर्चा नहीं करते अर्थात् उसका दिनांकन या उसका तिथि निर्धारण नहीं करते हैं। इसके विपरीत गत्यात्मक आर्थिक विश्लेषण में

समय तत्व की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आर्थिक चरों के मान के साथ समय का भी उल्लेख होता है अर्थात् अलग - अलग समय चर क्या मान ले रहा है इसका क्रमवार उल्लेख होता है।

गत्यात्मक अर्थशास्त्र में, हम गतिशील स्थिति में अगत फलन, आय और निवेश जैसे आर्थिक समंकों का अध्ययन करते हैं। According to Prof. Harrod, "Economic dynamics is the study of an economy in which rates of output are changing." ("आर्थिक गत्यात्मकता एक ऐसी अर्थव्यवस्था का अध्ययन है जिसमें उत्पादन की दरें बदल रही हैं।")।

स्थैतिक आर्थिक विश्लेषण को कालातीत अर्थव्यवस्था के विश्लेषण के रूप में भी जाना जाता है।

स्थैतिक आर्थिक विश्लेषण परिवर्तन के पथ को नहीं दर्शाता है। वह सिर्फ संतुलन की स्थिति और शर्त को दर्शाता है। इसके विपरीत **गत्यात्मक** आर्थिक विश्लेषण परिवर्तन के पथ को दर्शाता है।

स्थैतिक अर्थशास्त्र संतुलन के एक निश्चित बिंदु का अध्ययन करता है। किन्तु **गत्यात्मक** अर्थशास्त्र उस पूरी आर्थिक प्रक्रिया का अध्ययन करता है जिससे हमें संतुलन प्राप्त होता है। अतः संतुलन तक पहुंचने के क्रम में संतुलन और असंतुलन दोनों अवस्था हो सकती है। स्पष्ट है कि **स्थैतिक** अर्थशास्त्र सिर्फ संतुलन का अध्ययन करता है। जबकि **गत्यात्मक** अर्थशास्त्र संतुलन एवं असंतुलन दोनों का अध्ययन करता है।

स्थैतिक अर्थशास्त्र वास्तविकता से दूर है जबकि **गत्यात्मक** अर्थशास्त्र वास्तविकता आर्थिक प्रक्रिया के निकट है। **स्थैतिक** अर्थशास्त्र का अध्ययन अवास्त्विक मान्यताओं जैसे पूर्ण प्रतियोगिता, पूर्ण ज्ञान आदि पर आधारित है। यहां महत्वपूर्ण आर्थिक चर जैसे फैशन,जनसंख्या, उत्पादन की तकनीक आदि को स्थिर में लिया जाता । इसके विपरीत **गत्यात्मक** आर्थिक विश्लेषण इन चरों को परिवर्तनशील मानता है।

स चर्चा से हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि आर्थिक विश्लेषण के **स्थैतिक** और **गत्यात्मक** दृष्टिकोण प्रतिस्पर्धी नहीं हैं, बल्कि एक दूसरे के पूरक हैं। **स्थैतिक** विश्लेषण अपेक्षाकृत सरल और आसान है जबकि **गत्यात्मक** विश्लेषण वास्तविकता के करीब है। **स्थैतिक** विश्लेषण के माध्यम से कुछ आर्थिक समस्याओं का अध्ययन करना उपयोगी है जबकि अन्य का अध्ययन **गत्यात्मक** दृष्टिकोण के माध्यम से किया जा सकता है।

अर्थशास्त्र के मूल सिद्धांत (basics) को जानना आवश्यक है। इस इकाई में दिए गए अर्थशास्त्र के मूल तत्व को जानना किसी भी अच्छे छात्र की दृष्टि से सफलता की कुंजी है। इस अवधारणा का उपयोग अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र के अध्ययन में व्यापक है।

इस इकाई में कई बोध प्रश्न छात्रों को हल करने के लिए दिया गया है जिससे उनका concept clear हो और अभ्यास से विश्वास में निरंतर वृद्धि हो।

बी ए भाग -1 की मुख्य परीक्षा में स्थैतिक एवं गत्यात्मक आर्थिक विश्लेषण में क्या अंतर है ? इस विषय पर नोट्स लिखने आ सकता है अतः इसकी तैयारी आवश्यक है।

IGNOU (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय) की नेट पर उपलब्ध सामग्री का स्तर बहुत अच्छा है। इसे कोई भी छात्र बिना अनुमति के और बिना पैसे खर्च किए उपयोग के लिए स्वतंत्र है। इसका लाभ उठाकर ज्ञानार्जन करें।

यह BA level का कोर्स सामग्री है किन्तु साथ ही reference book का अध्ययन किया जाना आवश्यक है। प्रत्येक इकाई के अंत में उस इकाई से संबंधित पुस्तकों का नाम, लेखक का नाम एवं प्रकाशक का नाम दिया गया है।

Corona virus की इस विभीषिका काल में **IGNOU (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय)** इस पठन सामग्री जो इंटरनेट पर सुलभ है का छात्र अपने ज्ञान वर्धन और परीक्षा की तैयारी के लिए उपयोग करेंगे और लाभ उठाएंगे।

Prof. Chanchal Kumar Pandey

Head

Department of Economics

Maharaja College

Ara